NEW EDUCATION POLICY 2020 SKILL DEVELOPMENT, TIE UP WITH INDUSTRY

नई शिक्षा नीति 2020

कौशल विकास में औद्योगिक क्षेत्र का समन्वय

29TH AUG 2020; SATURDAY

Under the Auspices of

Govt. Raza P. G. College, Rampur (U.P.)

About The College

Every organization has basic human values at its core. Truth, Love, Service, Strength, Wisdom, Trust, Honesty, Fearlessness are some of the examples of core values of Govt. Raza P.G. College, Rampur which was established on 16 July 1949. Being the oldest college of UP state Government it has a glorious past and bright future. It has a great role to shape up state higher education as various Directors, Joint Directors, joint secretaries, regional higher education officers, Assistant Directors and principal of various colleges were nurtured under the umbrella of this college and serve the higher education. Many reputed alumni come up in a big way in a past seven decades and has become the glory of nation in their respective fields. Recently, here the student strength is almost 6000. it is the first govt. P.G. College completing the third cycle of NAAC (B Grade). In addition to Science, Art and Commerce it has B. Ed. Faculty. It also has research facilities for Ph. D. students and runs research Projects funded by various national agencies like UGC, CSIR and CST. The college is equipped with Labs, smart classes, computer lab, gymnasium and seminar hall.

Aims of Conference

In the Post COVID world, with social distancing becoming a part of day to day life, virtual conference will be definitely beneficial and has opened up new dimensions in higher education. The aim of present virtual conference is to discuss the role of industry in implementation of new education policy 2020 in skill development among students to encourage, Enable and mobilize aptitude towards employable skills and to increase working efficiency of students by providing quality training to align them to the needs of the country.

Organizing Committee

Chief Patron :

Dr. Vandana Sharma

Patron :

Dr. P. K. Varshney

Convener :

Dr. Baby Tabassum

Co-Convener & Online Host:

Dr. Mujahid Ali
Dr. Priya Bajaj
Dr. Deepak Sharma

Organizers :

IQAC
&
All Departments

Programme Schedule

(Saturday , 29th August 2020)

Blessings by Chief Patron	Dr. Vandana Sharma Director Higher Education, UP	10:00 – 10:15 AM	
Inauguration & Welcome of Guests	Dr. P. K. Varshney Principal, GRPG College, Rampur	10:15 – 10:30 AM	
Guest Speaker	Dr. P. N. Dongre Principal, KNGPG College, Gyanpur	10:30 – 10:50 AM	
Guest Speaker	Dr. A. K. Saxena Retd. Assoc. Prof. GRPG College, Rampur	10:50 – 11:10 AM	
Blessings	Dr. B. L. Sharma Assistant Director Higher Education, UP	11:10 – 11:30 AM	

Guest Speaker	Dr. D. C. Sharma Assoc. Prof. (Zoology) KMGPG College, Badalpur	11:30 – 11:50 AM	
Guest Speaker	Dr. Vandana Sharma Assoc. Prof. (Pol. Sci.) Bareilly College, Bareilly	11:50 – 12:10 PM	
Blessings	Dr. Rajesh Prakash Regional Higher Education Officer, Bareilly	12:10 – 12:30 PM	
Guest Speaker	Dr. T U Muneendra Assistant Director , Off. Lang. Tripura University, Agartala	12:30 – 12:50 PM	
Guest Speaker	Mr. Indra Pal Singh Project Manager Radico Khaitan Ltd., Rampur	12:50 – 01:10 PM	
Valedictory Speech & Vote of Thanks		01:10 – 01:20 PM	

Google Meet Link for Virtual Conference: https://meet.google.com/zwd-spoq-ewa

आभासी सम्मेलन

पर

"नई शिक्षा नीति 2020: कौशल विकास, उद्योग के साथ टाई "

द्वारा आयोजित

राजकीय रज़ा पी जी कॉलेज, रामपुर (उ.प्रा)

(29 अगस्त 2020)

आभासी सम्मेलन की रिपोर्ट

"नई शिक्षा नीति 2020: कौशल विकास, उद्योग के साथ संबंध" विषय पर एक आभासी सम्मेलन सरकार द्वारा आयोजित किया गया था। 29 अगस्त 2020 को रज़ा पी जी कॉलेज, रामपुर (यूपी)। सम्मेलन की शुरुआत सुबह 10 बजे सरस्वती वंदना और अतिथियों और गणमान्य लोगों के औपचारिक स्वागत के साथ हुई। संगोष्ठी के संरक्षक, **डॉ0 पी0 के0 वार्ष्णेय** का स्वागत अतिथियों, शिक्षार्थियों और अन्य आमंत्रित लोगों ने किया, जो इस अवसर पर अनुग्रह करने के लिए इकट्ठे हुए थे। उन्होंने यह भी कहा कि NewEducation नीति 2020 (NEP-2020) ई-शिक्षा और नवाचारों को बढ़ावा देती है। इसके अलावा, सम्मेलन के मुख्य संरक्षक, **डॉ0 वंदना शर्मा**, निदेशक उच्च शिक्षा, यूपी ने आयोजकों को अपने शब्दों में आशीर्वाद दिया। उसने बताया कि शिक्षा प्रणाली को हमारी सांस्कृतिक विरासत और कौशल के हथियारों से लड़ना होगा। संयोजक; **डॉ0 बेबी तबस्सुम** ने सम्मेलन के विषय को दर्शकों के सामने पेश किया।

सेमिनार का वास्तविक एजेंडा पहले अतिथि वक्ता के प्रभावी विचार-विमर्श के साथ शुरू हुआ; **डॉ0 पी एन डोंगरे,** प्रिंसिपल, केएनपीजी कॉलेज, ज्ञानपुर, भदोही, जिन्होंने हमें उच्च शिक्षा में कौशल विकास और उद्योग उद्यमिता के बारे में अपने कॉलेज की गतिविधियों की झलक दिखाई। उन्होंने कहा कि NEP-2020 में ग्रामीण कौशल के विकास के लिए कई संभावनाएं हैं। उन्होंने डीबीए स्टार कॉलेज जैसी छात्र पुनर्वितरण, छात्र शिक्षक बातचीत, सामाजिक उद्यमिता, छात्र नवाचार परिषद और सरकारी धन योजनाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कैंपस प्लेसमेंट के सफल न होने के कुछ कारण भी बताए। इसके अलावा, अगले अतिथि अध्यक्ष **डॉ0 ए.के. सक्सेना,** सेवानिवृत्त। एसोसिएट प्रोफेसर (जूलॉजी) उद्योग-अकादमिक सहयोग और एनएसक्यूएफ (राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क) पर केंद्रित अपने व्याख्यान से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है जिसे यूजीसी और एमएचआरडी द्वारा विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा ने सामाजिक स्वीकृति, सामान्य और व्यावसायिक शिक्षा को

Govt. Raza P.G. College Principal Rampur (U.P.)

अलग करने और मंत्रालय की कई भागीदारी की समस्याओं का सामना किया है। एनईपी -२०२० ने इन मुद्दों को संबोधित करने की कोशिश की है और डेटा एकत्रीकरण और ऑनलाइन प्रकाशन को अनिवार्य बना दिया है।

हमारे अगले वक्ता **डॉ0 मुनेन्द्र मिश्रा,** सहायक निदेशक, आधिकारिक भाषा, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला, ने शिक्षा में मानव संसाधन और वैश्विक निवेश के खाली समय के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से स्थानीय व्यवसायों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। **डॉ0 वंदना शर्मा**, एसोसिएट प्रोफेसर, पोल विज्ञान। डिपार्टमेंट बरेली कॉलेज, बरेली ने शिक्षा के स्वदेशी मॉडल को रेखांकित किया जो स्थानीय भाषा में ब्लैक बोर्ड से लेकर व्हाइट बोर्ड और अंत में मदरबोर्ड तक शुरू होना चाहिए। बरेली के क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी **डॉ0 राजेश प्रकाश** ने कहा कि सम्मेलन से प्राप्त सुझावों और सिफारिशों को उच्च शिक्षा निदेशालय को भेजा जाना है ताकि उन्हें लागू किया जा सके।

आभासी सम्मेलन का अंतिम सत्र **डॉ0 डी0 सी0 शर्मा,** एसोसिएट प्रोफेसर, जूलॉजी, केएमजीपीजी कॉलेज, बादलपुर, गौतम बुद्धनगर की प्रामाणिक डेटा बाध्य प्रस्तुति के साथ परिलक्षित हुआ। उन्होंने कहा कि शिक्षा के सभी स्तरों को प्रौद्योगिकी के साथ शामिल किया जाना चाहिए। प्रौद्योगिकी के साथ शिक्षण सीखने और मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधार करने के लिए यह उच्च समय है। उन्होंने बताया कि NEP-2020 शिक्षा प्रणाली में कई प्रवेश और निकास बिंदुओं पर जोर देता है जिन्हें मौजूदा पारंपरिक पाठ्यक्रमों के कौशल उन्मुख पैट की पहचान करके लागू किया जा सकता है। NEP-2020 ने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रशिक्षकों की योग्यता की सीमा को हटाकर व्यावहारिक दृष्टिकोण भी विकसित किया है। उन्होंने मैट्रिक और उच्च शिक्षा के बीच की खाई को उजागर किया, जिसे भरना चाहिए। उन्होंने शिक्षा मॉडल में शिक्षक प्रेरणा, ऑनलाइनफैक्विटी, शिक्षक-अभिभावकों की सहभागिता और जमीनी नवाचारों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। रेडिको खेतान लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधक **श्री इंद्रपाल सिंह** भी उद्योग-अकादमिया सहयोग पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए सम्मेलन में उपस्थित थे और उन्होंने आयोजकों को अपने छात्रों को इंटर्नशिप, प्रशिक्षण और रोजगार के लिए समर्थन देने का आश्वासन दिया। अंत में **डॉ0 प्रिया बजाज** ने मेहमानों और दर्शकों के लिए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

विशेषज्ञों की राय और सिफारिशें

• शिक्षण और मूल्यांकन प्रक्रिया के सभी स्तरों को नियमित आधार पर प्रौद्योगिकी के साथ शामिल किया जाना चाहिए।

• मैट्रिक और उच्च शिक्षा के बीच अंतराल को भरना होगा।

• कई प्रवेश और निकास मॉडल के कारण उत्पन्न विभिन्न प्रमाणपत्रों के लिए एक नामकरण विकसित किया जाना चाहिए।

• यदि आवश्यक हो तो शिक्षकों को शिक्षण-शिक्षण में प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

Govt. Raza P.G. College
Principal
Rampur (U.P.)

- स्थानीय समितियों को अनिवार्य ऑनलाइन प्रकाशन के साथ व्यावसायिक शिक्षा की निगरानी और डेटा एकत्र करने के लिए बनाया जाना चाहिए।
- स्थानीय व्यवसाय को प्रमाणपत्र या डिप्लोमा पाठ्यक्रम के रूप में नियमित शिक्षा प्रणाली में शामिल किया जाना चाहिए।
- सामान्य और व्यावसायिक शिक्षा के बीच कठोर अलगाव को हटाया जाना चाहिए।
- व्यावसायिक शिक्षा में स्थानीय भाषाओं और शब्दावली को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- मौजूदा पारंपरिक पाठ्यक्रमों के कौशल उन्मुख पैट की पहचान की जानी चाहिए और पाठ्यक्रम को आवश्यकता के अनुसार पुनर्वितरित किया जाना चाहिए।
- शैक्षिक संस्थानों को दीर्घकालिक संबंध के लिए उद्योग-अकादमिक संपर्क सेल विकसित करना चाहिए।
- संस्थागत स्तर पर ग्रामीण कौशल को पहचाना और बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
- छात्र नवाचार परिषद की स्थापना के माध्यम से सामाजिक उद्यमिता विकसित की जानी चाहिए।
- कम्प्यूटिंग और ऑनलाइन सुविधाएं सस्ती कीमत पर उपलब्ध होनी चाहिए।
- अच्छी गुणवत्ता और पर्याप्त ई-सामग्री क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होनी चाहिए।
- स्थानीय उद्योगों में इंटर्नशिप / अपरेंटिसशिप को संस्थागत स्तर पर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- संस्थानों को एनएसक्यूएफ पर आधारित कौशल विकास और रोजगार कार्यक्रम चलाना चाहिए।

Govt. Raza P.G College
Principal
Rampur (U.P.)

Virtual Conference
On

"NEW EDUCATION POLICY-2020 : SKILL DEVELOPMENT, TIE UP WITH INDUSTRY"

Organized by

Govt. Raza P G College, Rampur (UP)

(29 Aug 2020)
Virtual Conference Report

A Virtual Conference on the topic "New Education Policy 2020 : Skill Development, Tie-up with Industry" was organized by Govt. Raza P G College, Rampur (UP) on 29 Aug 2020. The conference started at 10 AM with Saraswati Vandana and ceremonial reception of Guests and dignitaries. The Patron of Seminar, **Dr. P. K. Varshney** Welcome the Guests, learneddelegates and other invitees, who had assembled to grace the occasion. He also said that NewEducation Policy 2020 (NEP-2020) promotes e-education and innovations. Further, Chief Patron of the conference, **Dr. Vandana Sharma,** Director Higher Education UP, blessed the organizerswith her words. She told that Education system has to fight with the arms of our cultural heritage and skills. The Convener; **Dr. Baby Tabassum** introduced the theme of the conference to the audience.

Actual agenda of the seminar started with the effective deliberation of first guest speaker; **Dr. P. N. Dongre,** Principal, KNPG College, Gyanpur, Bhadohi, who showed us the glimpse of his college activities regarding skill development and industry entrepreneurship in higher education. He said that NEP-2020 has a number of possibilities for the development of rural skills. He emphasized on the need of student reorientation, student teacher interaction, social entrepreneurship, student innovation council and government funding schemes like DBT star college. He also pointed out some reasons why campus placement is not successful. Further, next Guest Speaker **Dr. A. K. Saxena,** Retd. Associate Professor (Zoology) enlighten the audience with his lecture focused on industry-academia collaboration and NSQF (National Skill Qualification Framework) which has been developed by UGC and MHRD. He said that skill based education has faced the problems of social acceptance, separation of general and vocational education and multiple involvement of ministry. NEP-2020 has tried to address these issues and made the data gathering and online publication mandatory.

Our next speaker **Dr. Muneendra Mishra,** Assistant Director, Official Languages, Tripura University, Agartala, emphasized the utilization of free time of human resource and global investment in education. He said that local occupations should be encouraged through

education. **Dr. Vanadan Sharma,** Associate Professor, Pol. Sci. department Bareilly college, Bareilly underlined the swadeshi model of education that must start in local language from black board to white board and finally to the motherboard. **Dr. Rajesh Prakash,** Regional HigherEducation Officer, Bareilly said that suggestions and recommendations obtained from conference are to be mailed to directorate of higher education so that they could be implemented.

Final session of the virtual conference was reflected with authentic data bound presentation of **Dr. D. C. Sharma,** Associate Professor, Zoology, KMGPG College, Badalpur, Gautam Buddhnagar. He said that all levels of education should be incorporated with technology. It is the high time to improve teaching learning and evaluation process with technology. He told that NEP-2020 emphasizes multiple entry and exit points in education system that could be implemented by identifying the skill oriented pat of existing traditional courses. NEP-2020 also has developed practical approach by removing the bar of qualification of trainers for vocational courses. He highlighted the gap between matriculation and higher education that must be filled up. He also emphasized the need of teacher motivation, onlinefacilities, teacher-parents interaction and grass root innovations in education model. **Mr. Indrapal singh,** Senior Manager, Radico Khaitan Ltd. was also present in the conference to express his views on industry-academia collaboration and assured the organizers to support their students for internship, training and employment. At last **Dr. Priya Bajaj** presented the vote of thanks to guests and audience.

SUGGESTIONS AND RECOMMENDATIONS OF EXPERT

- All levels of teaching learning and evaluation process should be incorporated with technology at regular basis.
- Gap between matriculation and higher education must be filled up.
- A nomenclature should be developed for various certificates originated due to multiple entry and exit model.
- Teachers should be motivated and trained for use of technology in teaching-learning, if required.
- Local committees should be made to monitor and data gathering of vocational education with mandatory online publication.
- Local occupation should be incorporated in regular education system as certificate or diploma courses.
- Hard separation between general and vocational education must be removed.
- Local languages and terminology should be encouraged in vocational education.
- Skill oriented pat of existing traditional courses should be identified and syllabus should be redistributed as per requirement.
- The educational institutes should develop industry-academia interaction cell for long term bonding.
- Rural skills should be identified and promoted at institutional level.

Govt. Raza P.G. College
Principal
(U.P.)

- Social entrepreneurship should be developed through establishment of student innovation council.
- Computing and online facilities should be available at cheaper price.
- Good quality and sufficient e-content should be available in regional languages.
- Internship/apprenticeship at local industries should be encouraged at institutional level.
- Institutes should run Skill development and employment programme based on NSQF.

Principal
Govt. Raza P.G. College
Rampur (U.P.)